REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 7 | APRIL - 2019

''बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन''

डॉ. राजीव बबेले
सहायक प्राध्यापक,
बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी.

समायोजन एक सहयोगी सामाजिक प्रक्रिया है। समायोजन समाज में व्यक्ति या समूह को जोड़ने वाली प्रक्रिया है। यह संघर्ष से सहयोग की ओर बढ़ने का यह प्रथम चरण है। जब भी दो विरोधी पक्ष प्रतिस्पर्धा या संघर्ष समाप्त करके सहयोग करना चाहते है तो सर्वप्रथम वे एक दूसरे से समायोजन स्थापित करते है। व्यक्ति या समूह की यह स्वाभाविक प्रवृत्ति रही है। कि वे संघर्ष को पसंद नहीं करते या हमेशा संघर्ष या प्रतियोगिता नहीं कर सकते है। इसी संघर्ष की स्थिति को टालने के लिए जो समझौता किया जाता है, उसे ही समायोजन कहते है। यह समायोजन संघर्षरत व्यक्तियों के बीच या तो स्वयं या किसी मध्यस्थ के द्वारा स्थापित किया जाता है।

• परिचय (Introduction)

समायोजन से अभिप्राय है परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको बदलना, जिससे उस परिवेश में बिना टकराव के जीवन यापन किया जा सके। ऐसे शब्द को विज्ञान के एक शब्द अनुकूलन का पर्यायवाची माना जा सकता है। अनुकूलन की क्षमता ही जीवों को विशेष परिस्थितियों में जीवित रखती है, परिवेश के मुताबिक कुछ ऐसे गुण व विशेषताएं विकसित हो जाती है जिनके द्वारा वह उस परिवेश में आसानी से रह सके। जैसे ऊँट के गद्दीदार पैरों का होना उसे रेगिस्तान में चलने में बड़ी सहायता प्रदान करता है।

• समस्या कथन (Statement of the Problem)

''बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन''

• अध्ययन का उद्देश्य (Objective of the Study)

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

• परिकल्पना (Hypothiesis)

''बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर में अन्तर होगा''

• साहित्य का पुनरावलोकन (Review of Literature)

''मिश्रा, नितिन कुमार (2011), बनर्जी, शशि (2011), सोनी, अनीता (2010) एज्योति, कुलकर्णी, वंदना, भारती और नन्दनी राखेड़ (2009) एयाङ्गलव, चन्द्रशेखर एवं पाधी, सम्बित कुमार (2009), मिश्रा, शालिनी (2009) श्रीवास्तव, जाहवी तथा सिंह, आर.एन. (2009) सिंह घंगडू (2009) ने इस विषय पर कार्य किया।

• प्रतिदर्श का चयन (Selection of Sample)

प्रस्तुत अध्ययन हेतु बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के 50 खिलाड़ियों का चयन यादृच्छिक प्रतिदर्श विधी से किया गया, जिसमें 25 महिला खिलाड़ी एवं 25 पुरूष खिलाड़ी है।

• चर (Variable)

साहित्य के पुरावलोकन एवं विद्वानों के साथ चर्चा के आधार पर, इस अध्ययन के लिए चर के रूप में समायोजन का चयन किया गया।

• शोध उपकरण (Tool)

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में समायोजन क्षमता के अध्ययन हेतु डा.एच.एस. अस्थाना द्वारा निर्मित एडजस्टमेन्ट इन्वेन्टरी की सहायता ली गई है।

• समंक संकलन की प्रक्रिया (Data Collection)

प्रस्तुत अध्ययन हेतु बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के 50 खिलाड़ियों का चयन गया, जिसमें 25 महिला खिलाड़ी एवं 25 पुरूष खिलाड़ी है।

• समंक विश्लेषण हेतु सांख्यिकी तकनीक का प्रयोग (Statistical Technique to be used for analysis of data)

शोध प्रक्रिया के अन्तर्गत प्राप्तांकों के रूप में समंकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया। इसमें मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मूल्य की गणना की गयी।

• समंक विश्लेषण एवं अध्ययन का परिणाम (Data analysis and result of the study)

सारणी

पुरूष खिलाड़ियों के मध्य समायोजन स्तर में अन्तर

Category	N	Mean	SD	't' Ratio	Lavel of Confidence
महिला खिलाड़ी	25	112.2	9.24	2.06	0.05
पुरूष खिलाड़ी	25	101.7	10.0		

• समस्या कथन (Statement of the Problem)

''बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन''

- **अध्ययन का उद्देश्य (Objective of the Study)**

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर का तुलनात्मक अध्ययन करना।

- **परिकल्पना (Hypothesis)**

''बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के समायोजन स्तर में अन्तर होगा''

- **साहित्य का पुनरावलोकन (Review of Literature)**

मिश्रा, नितिन कुमार (2011), बनर्जी, शशि (2011), सोनी, अनीता (2010) एज्योति, कुलकर्णी, वंदना, भारती और नन्दनी राखेड़ (2009) एयाज्ञलव, चन्द्रशेखर एवं पाधी, सम्बित कुमार (2009), मिश्रा, शालिनी (2009) श्रीवास्तव, जाहवी तथा सिंह, आर.एन. (2009) सिंह घंगडू (2009) ने इस विषय पर कार्य किया।

- **प्रतिदर्श का चयन (Selection of Sample)**

प्रस्तुत अध्ययन हेतु बुदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के 50 खिलाड़ियों का चयन यादृच्छिक प्रतिदर्श विधी से किया गया, जिसमें 25 महिला खिलाड़ी एवं 25 पुरूष खिलाड़ी हैं।

- **चर (Variable)**

साहित्य के पुनरावलोकन एवं विद्वानों के साथ चर्चा के आधार पर, इस अध्ययन के लिए चर के रूप में समायोजन का चयन किया गया।

- **शोध उपकरण (Tool)**

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में समायोजन क्षमता के अध्ययन हेतु डा. एच. एस. अस्थाना द्वारा निर्मित एडजस्टमेन्ट इन्वेन्टरी की सहायता ली गई है।

- **समंक संकलन की प्रक्रिया (Data Collection)**

प्रस्तुत अध्ययन हेतु बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी के 50 खिलाड़ियों का चयन गया, जिसमें 25 महिला खिलाड़ी एवं 25 पुरूष खिलाड़ी है।

- **समंक विश्लेषण हेतु सांख्यिकी तकनीक का प्रयोग (Statistical Techniques to be used for analysis of data)**

शोध प्रक्रिया के अन्तर्गत प्राप्तांकों के रूप में समंकों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया। इसमें मध्यमान, मानक विचलन एवं टी–मूल्य की गणना की गयी।

- समंक विश्लेषण एवं अध्ययन का परिणाम (Data analysis and result of the study)

सारणी

पुरूष खिलाड़ियों के मध्य समायोजन स्तर में अन्तर

Category	N	Mean	SD	't' Ratio	Lavel of Confidence
महिला खिलाड़ी	25	112.2	9.24	2.06	0.05
पुरूष खिलाड़ी	25	101.7	10.0		

• अध्ययन का परिणाम (Result of the Study)

महिला एवं पुरूष खिलाड़ियों के दोनों समूहों के प्राप्त अंकों के अनुसार माध्य 112.9 और 102.7, जिसका मानक विचलन क्रमशः 9.24 और 10.0 मापा गया, जिसके अनुसार टी–अनुपात 0.05 है। प्राप्त परिणामों के आधार पर यह निष्कर्ष निकलता है कि खिलाड़ियों का समायोजन स्तर लगभग समान हैं।

• सुझाव (Suggestion)

1. खिलाड़ियों को अपने खेल में नवीन का प्रयोग कर खेल को रूचिकर बनाना चाहिए।
2. खिलाड़ियों को इस प्रकार व्यवसायिक प्रशिक्षण दिया जाए कि वे भविष्य में अपने व्यवसायिक वातावरण में समायोजन कर सके।
3. प्रशिक्षकों के द्वारा खिलाड़ियों को सामूहिक कार्य करने के लिए देना चाहिए जिससे विद्यार्थियों में अनुशासन व समायोजन की भावना का विकास हो सके।
4. प्रशिक्षकों को विद्यार्थियों की रूचियों के अनुकूल खेलों को कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए जिससे उन्हें खेल के दौरान समायोजित होने में कठिनाई अनुभव न हो।
5. प्रशिक्षक स्वयं वातावरण से पूर्णतः समायोजित रहे क्योंकि वह विद्यार्थियों के लिए आदर्श प्रस्तुत करता हैं
6. खिलाड़ियों के ज्ञान व अभ्यास का मुख्य आधार उनकी जिज्ञासा की प्रवृत्ति होती है। अतः प्रशिक्षक को इस प्रवृत्ति को जागृत रखने और तृप्त करने का प्रयास करना चाहिए।
7. प्रशिक्षण के समय खिलाड़ियों में विभिन्न खेल विधाओं में रूचि उत्पन्न हो जाती है। अतः प्रशिक्षक को उन्हें नए–नए परिपेक्ष्य में समायोजित होने के अवसर प्रदान करना चाहिए।

• सन्दर्भ ग्रन्थ सूची (Reference)

- **अग्रवाल, सुभाष चन्द्र** अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति एवं सामान्य जाति के छात्रों के समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन online journal, 38(1), 83-86, 2008.
- **एम. कपूर**, Early Childhood stimulation and optimum mental development. Unpublished data WHO-NIMHANS Projects, 1990.
- **एम.वी.आर.राजु और ख्वाजा शहमुतुला,** Adjustment Problems among school students. Journal of the Indian Academy of Applied Psychology, 33(1): 73-79, 2007.
- **एम.वी.आर.राजु और ख्वाजा शहमुतुला,** Journal of the Indian Academy of Applied Psychology, 2007.

- **ए. सरकार,** Prevalence and pattern of psychological disturbances in 8-11 year old school going children. Unpublished M. Phil dissertation. Banglore University, Banglore, 1990.
- **कन्नापन, कालीप्पन, लक्ष्मी,** Modification of daily hassles stress and uplifts in Adolescent deviant boys. Indian Journal of Criminology, 1993 (Jan.) 21(1), 9-16, 1999.
- **कत्याल, सुधा एवं वसुदेव,** Gender differences in Academic stress and its correlates. Personality study and Group Behaviour, 31-38, 2001.
- **के. अलका,** Type-A behavior pattern and stress among twelfth standard students. Journals of psychological researches, 2004, 48(1), 33-40, 2004.
- **कुंडु, रामनाथ, चक्रबोर्ती एवं परमीता,** Search for the non-cognitive predictors of scientific knowledge and aptitude. Praachi Journal of Psycho-cultural dimensions, 1994, 10 (1 & 2), 5-10, 1994.
- **चमौली तथा चौहान,** भारतीय शिक्षा शोध पत्रिका वर्ष 23 अंक 2 जून से दिसम्बर 2004 पृ. सं. 19–77.
- **ज्योति, कुलकर्णी, वंदना, भारती और नन्दनी राखेइ** Journal of the Indian Academy of applied psychology February 2006, Vol. 32 No.2,127-134 page 127.
- **थनमौजी, एस एवं करूणानिधि,** Effect of family structure on behavioural adjustment problems among young adolescents. Indian Journal of community psychology, 2005, 1(1), 150-158.
- **मिश्रा, नितिन कुमार** ''किशोरावस्था में बालकों की समायोजन समस्याओं का अध्ययन करना एवं उसका शैक्षिक महत्व : खरगोन जिले के संदर्भ में'' Vol. 3 Issue 35 pp-16-17, 2011. International Referred Research Journal.
- **शुक्ला, आशा एवं पाण्डे,** Personal Adjustment Problem of introvert and extrovert and adolescents of Hindi and English medium schools, Purvanchal journal of social sciences, 1994, Jan & July 2 (1 & 2), 23-28, 1994.
- **श्रीवास्तव, जान्हवी, एवं सिंग, आर.एन.** Effects of socioeconomic status on adjustment neuroticism. Indian journal of Human Relations, 35, 29-34, 2009